का सोचत बारम्बारा

गुरु सों कर ले मेल गंवारा, का सोचत बारम्बारा ? - २
का सोचत बारम्बारा ? - २
गुरु सों कर ले मेल गंवारा, का सोचत बारम्बारा ? - २

सब ग्रंथन की खान गुरु है वेद पुराण को ज्ञान गुरु है,
गुरु सच्चिदानंद अवतारा, का सोचत बारम्बारा ?
गुरु सों कर ले मेल गंवारा, का सोचत बारम्बारा ? - २

बड़े भाग्य से गुरु मिळत है, फिर क्यों जग में तू उलझत है,
गुरु कर देंगे भाव से पारा, का सोचत बारम्बारा ?
गुरु सों कर ले मेल गंवारा, का सोचत बारम्बारा ? - २

॥दास गोविन्द॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/432/title/ka-sochat-barambara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |